नाशिक | Friday, 11 September 2026

अमरावती कांड : 'हाय-हैलो छोड़ो, आप...' इस तरह लड़कियों को फंसाता था आरोपी, 'लव गुरु' की तलाश तेज

Sanket Morankar

Published on 18 Apr 2026

अमरावती के परतवाड़ा इलाके में सामने आए सनसनीखेज लैंगिक शोषण मामले की जांच अब तेज हो गई है। इस मामले में एसआईटी (विशेष जांच दल) की जांच के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी अयान अहमद लड़कियों को अपने जाल में फंसाने के लिए एक खास तरह की चैटिंग तकनीक का इस्तेमाल करता था, और इसके लिए उसने एक कथित 'लव गुरु' से भी टिप्स ली थीं।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपी अयान अहमद पहले सोशल मीडिया के जरिए लड़कियों से संपर्क करता था और बातचीत की शुरुआत ही एक अलग अंदाज में करता था। वह अक्सर कहता था— *“[illegible]-[illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?”* इस तरह वह सामने वाली लड़की को बातचीत में उलझाकर धीरे-धीरे उसका भरोसा जीतता था और फिर उसे अपने जाल में फंसा लेता था।

एसआईटी की जांच में यह भी सामने आया है कि अयान को लड़कियों से बातचीत करने और उन्हें प्रभावित करने के लिए एक तथाकथित 'लव गुरु' मार्गदर्शन देता था। इसी के आधार पर आरोपी अलग-अलग लड़कियों को टारगेट करता था। अब पुलिस उस 'लव गुरु' की पहचान और ठिकाने की तलाश में जुटी हुई है।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अपने दोस्त मानव सुगंधे के कथोरा रोड स्थित किराए के फ्लैट का कई बार इस्तेमाल किया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फ्लैट मालिक को इन गतिविधियों की जानकारी थी या नहीं।

इसके अलावा आरोपी लड़कियों को शहर के विभिन्न कैफे में भी ले जाता था। खासतौर पर एक कैफे में वह अलग-अलग कंपार्टमेंट में बैठने के लिए पैसे देता था। जांच में सामने आया है कि इन कंपार्टमेंट्स का इस्तेमाल निजी मुलाकातों के लिए किया जाता था। पुलिस इन कैफे संचालकों से भी पूछताछ कर रही है।

इस मामले की कड़ियां वझ्झर डैम गार्डन तक भी पहुंच गई हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आरोपी और पीड़ित युवतियों की मुलाकात यहीं से शुरू हुई थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जरूरी जानकारी जुटाई है।

इस मामले से जुड़े कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और यूट्यूब पर वायरल हुए थे। साइबर सेल की मदद से अब तक 41 अकाउंट्स को हटाया जा चुका है।

एसआईटी अब तक 10 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले चुकी है। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को उजागर करने में जुटी हुई हैं।

यह मामला लगातार नए खुलासों के साथ और गंभीर होता जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.